



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 16, 2002/चैत्र 26, 1924

No. 100]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 16, 2002/CHAITRA 26, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2002

विषय : इंडोनेशिया और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीट्रिक एसिड के भारत में आयात संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 14/11/2002-डीजीएसी.—मै. सिटर्जिया बायोकेमिकल्स लि. ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के नियम 5(1) के अनुसार इंडोनेशिया तथा थाइलैंड से सीट्रिक एसिड के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करने के लिए याचिका दायर की है।

2. **घरेलू उद्योग:** यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 सिटर्जिया बायोकेमिकल्स लि0 द्वारा दायर की गई है। भारत में सीट्रिक एसिड के अन्य उत्पादक मै0 भारत स्टार्च इंडस्ट्रीज लि0 है। तथापि, मै. भारत स्टार्च इंडस्ट्रीज लि. ने अपना सीट्रिक एसिड संयंत्र 1999-2000 और 2000-01 में बंद रखा और दिसम्बर, 2001 के तीसरे सप्ताह में ही उसे दौबारा चालू किया। उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर, मै0 सिटर्जिया बायोकेमिकल्स लि0 पाटनरोधी नियमों के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।

3. **विचाराधीन उत्पाद:** विचाराधीन उत्पाद सीट्रिक एसिड है जिसे सीट्रिक एसिड मोनोहाइड्रेट के नाम से भी जाना जाता है। सीट्रिक एसिड एक मूल रसायन है, जिसे सामान्यतः सीमाशुल्क टैरिफ

अधिनियम के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2918.14 के अंतर्गत वर्गीकरण किया जाता है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है। सीट्रिक एसिड का उपयोग खाद्य, शीतल पेय, मिष्ठान, औषधियों में परिरक्षक के रूप में, वस्त्र रंगाई और प्रिंटिंग उद्योग में और अन्य औद्योगिक उपयोगों जैसे बॉयलर की सफाई इत्यादि में किया जाता है।

4. शामिल देश: वर्तमान जांच में शामिल देश इंडोनेशिया और थाइलैंड (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) हैं।

5. समान वस्तु: याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है। इस प्रकार जांच के प्रयोजन से याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किए जा रहे सीट्रिक एसिड को नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित सीट्रिक एसिड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के समान वस्तु माना जा रहा है।

6. सामान्य मूल्य: याचिकाकर्ता ने इंडोनेशिया और थाइलैंड में सामान्य मूल्य का दावा संबद्ध वस्तु के उत्पादन की परिकल्पित लागत के आधार पर किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं।

7. निर्यात कीमत: वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता से प्राप्त आंकड़ों और गौण स्रोतों से संकलित किए गए आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया गया है। निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा निर्यात के देश में स्वदेशी परिवहन, पत्तन हैडलिंग और पत्तन प्रभारों इत्यादि के कारण कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। निर्यात कीमत और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

8. पाटन मार्जिन इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे इस बात का प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

9. क्षति एवं कारणात्मक संबंध याचिकाकर्ता ने कथित पाटित आयातों के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की बढ़ी हुई मात्रा की वजह से उनके बाजार हिस्से में आई गिरावटि बिक्री मात्रा एवं क्षमता उपयोग में आई कमी, गवाई गई बिक्रियों एवं घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई पर्याप्त गिरावट के रूप में हुई क्षति के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता को हो रही वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं।

10. पाटनरोधी जांच की शुरुआत उपरोक्त पैराग्राफ को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्याति संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

11. जांच की अवधि वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2001 से 31 दिसम्बर, 2001 तक की है।

12. सूचना देना संबंधित समझे जाने वाले निर्यातकों और आयातकों तथा घरेलू उद्योग को अलग से लिखा जा रहा है ताकि वे समस्त संबंधित सूचना निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित ढंग से दे सकें। वर्तमान जांच में शामिल होने की इच्छुक कोई अन्य हितबद्ध पार्टी निम्नलिखित पते पर लिख सकती है:-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

13. समय सीमा: वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर उसे पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी उपरोक्त नियमों के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणामों को रिकार्ड कर सकते हैं।

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।
15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार का यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 2002

No. 14/11/2002-DGAD.—M/s. Citurgia Biochemicals Ltd., have filed a petition for initiation for anti-dumping investigation concerning the import of Citric Acid from Indonesia and Thailand in accordance with Rule 5(1) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995.

2. **Domestic Industry:** The petition has been filed by M/s Citurgia Biochemicals Ltd., on behalf of the domestic industry. Other producers of Citric Acid in India are M/s. Bharat Starch Industries Ltd. However, M/s. Bharat Starch Industries Ltd., was lying closed in the years 1999-2000 and 2000-01 and recommissioned their Citric Acid Plant only in the third week of December, 2001. As per the evidence available, M/s Citurgia Biochemicals Ltd., have the standing to file the petition on behalf of domestic industry as per Rule 5 of the Anti Dumping Rules.

3. **Product under consideration:** The product under consideration is "Citric Acid", also known as Citric Acid Monohydrate. Citric Acid is a basic chemical normally classified under Customs sub-headings 2918.14 of the Custom Tariff Act.

The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation. Citric Acid is used as preservative in food, soft drinks, confectionery, drugs, in textile dyeing and printing industry and has other industrial uses like in boiler cleaning etc..

4. **Countries involved:** The countries involved in present investigation are Indonesia and Thailand (hereinafter referred to as subject countries).

5. **Like Article:** The petitioners have claimed that the goods produced by them are 'like article' to the goods originating in or exported from the subject countries. Therefore, for the purpose of investigation, the Citric Acid produced by the petitioners is being treated as 'like article' of Citric Acid (hereinafter referred to as subject goods) imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

6. **Normal Value:** The petitioners have claimed normal value in the Indonesia and Thailand based on the constructed cost of production of the subject goods. Sufficient *prima facie* evidence has been presented to the Designated Authority with regard to the normal value of subject goods in subject countries.

7. **Export Price:** The export price has been claimed on the basis of the data obtained from Directorate General Commercial Intelligence & Statistics, Calcutta and compiled from secondary sources. Price adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of export, port handling and port charges, etc., to arrive at net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed for the subject goods from subject countries.

8. **Dumping Margin:** There is sufficient *prima facie* evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price

indicating *prima facie* that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

9. **Injury and Causal Link:** The petitioner have furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the allegedly dumped imports in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, decline in the sales volume and utilisation of capacity, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industry. There is sufficient *prima facie* evidence of the material injury being suffered by the petitioner caused by dumped imports from subject countries.

10. **Initiation of Anti Dumping Investigation:** The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

11. **Period of Investigation:** The Period of Investigation for the purpose of present investigations is 1st April 2001 to 31st December 2001.

12. **Submission of Information:** The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Udyog Bhavan, New Delhi-110011

13. **Time Limit:** All information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the

Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

14. **Inspection of Public File:** In terms of Rule 6 (7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

